No. of Printed Pages : 7 **EEC-02**

02511

BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME

Term-End Examination
June, 2010

ELECTIVE COURSE : ECONOMICS
EEC-02 : INDIAN ECONOMIC DEVELOPMENT SINCE INDEPENDENCE

Time : 3 hours *Maximum Marks : 100*

Note : *Attempt questions from each section as per instructions given under each section.*

SECTION - I

Answer ***any two*** questions from this section in about ***500*** words each : **2x20=40**

1. "Foreign political domination led to rapid destruction of the Indian economy leading to poverty and degradation beyond measure". Discuss.

2. Define poverty line. What steps have been taken to raise the people above the poverty line in India ?

3. Evaluate the Nehru–Mahalonobis strategy of economic planning in India.

4. "Growth of public debt as such is not bad. It is its use which matters". Discuss.

SECTION - II

Answer ***any four*** questions from this section in about *250* words each : **4x12=48**

5. How did the tenurial system prevalent under the British Rule affect the development of agriculture adversely ?

6. Discuss the importance of household savings in financing domestic capital formation in India.

7. Bring out the relationship between Urbanisation and economic development.

8. What is Finance Commission ? Has it succeeded in making the centre-state financial relations cordial ?

9. Inefficient input substitution is not only costly in terms of resources but is also input-intensive. Discuss.

10. Discuss the factors that bring improvement in productivity in the industrial sector.

SECTION - III

Answer *any two* questions from this section in about **100** words each : **2x6=12**

11. What is the pattern of land utilisation in India ?

12. Are the objectives of economic growth and Social justice contradictory.

13. Distinguish between development and non-development expenditure.

14. Define Special Drawing Rights (SDR).

ई.ई.सी.-02

स्नातक उपाधि कार्यक्रम

सत्रांत परीक्षा

जून, 2010

ऐच्छिक पाठ्यक्रम : अर्थशास्त्र

ई.ई.सी.-02 : स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद भारत का आर्थिक विकास

समय : 3 घण्टे | *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *प्रत्येक खण्ड में दिये गये निर्देशों के अनुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

खण्ड - I

इस खण्ड में से ***किन्हीं दो*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक उत्तर लगभग 500 शब्दों में होना चाहिए। **2x20=40**

1. ''विदेशी राजनीतिक प्रभुत्व के कारण भारतीय अर्थव्यवस्था का तेज गति से विनाश हुआ जिसके परिणामस्वरूप गरीबी एवं ह्रास बेमाप फैलें''। चर्चा कीजिए।

2. गरीबी-रेखा की परिभाषा दीजिए। भारत में लोगों को गरीबी-रेखा से ऊपर उठाने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?

3. भारत में अर्थिक आयोजन की नेहरू-महालनोबिस युक्ति का मूल्यांकन कीजिए।

4. ''सार्वजनिक ऋण में वृद्धि अपने में ही बुरी नहीं है। इसका उपयोग कैसे किया जाता है अधिक महत्वपूर्ण है। चर्चा कीजिए।

खण्ड - II

इस खण्ड में से ***किन्हीं चार*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक उत्तर लगभग **250** शब्दों में होना चाहिए। **4x12=48**

5. ब्रिटिश शासन के दौरान व्याप्त काश्तकारी प्रणाली ने कृषि को किस रूप में दुष्प्रभावित किया?

6. भारत में घरेलू पूँजी निर्माण के वित्तीपन में घरेलू बचतों के महत्व की चर्चा कीजिए।

7. शहरीकरण एवं अर्थिक विकास में सम्बन्ध स्पष्ट कीजिए।

8. वित्त आयोग क्या है? क्या यह केंद्र-राज्य वित्तीय सम्बन्धों में मधुरता लाने में सफल रहा है?

9. अकुशल आदान प्रतिस्थापन न केवल संसाधनों के संदर्भ में खर्चीला है बल्कि आदान-गहन भी है। चर्चा कीजिए।

10. औद्योगिक क्षेत्र में उत्पादकता-स्तर में सुधार लाने वाले कारकों की चर्चा कीजिए।

खण्ड - III

इस खण्ड में से ***किन्हीं दो*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए प्रत्येक उत्तर लगभग 100 शब्दों में होना चाहिए। **2x6=12**

11. भारत में भूमि-उपयोग का प्रतिरूप क्या है?

12. क्या आर्थिक विकास एवं सामाजिक न्याय के उद्देश्यों में विरोधाभास है।

13. विकास एवं गैर-विकास व्यय में भेद कीजिए।

14. विशेष आहरण अधिकारों (SDR) की परिभाषा दीजिए।